Hindi Murli Quiz 04-06-2015

Q.1) **Q .कृपया निम्नलिखित दोनों रिक्त स्थान एक ही शब्द से भरें ----**
"मीठे बच्चे बाप तुम्हें नई ---------- के लिए राजयोग सिखला रहे हैं। इसलिए इस पुरानी ----------का विनाश भी जरूर होना है।"

- दुनिया
- दूनिया
- DUNIYA
- DOONIYA
- दुनीया

Q.2) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं --**

	Choice	Match
A	मनुष्यों में भगवान को याद करने की एक अच्छी आदत पड़ी हुई है,	लेकिन पहचान यथार्थ न होने के कारण प्राप्ति नहीं होती है।
B	दुनिया में तो यह भी किस को पता नहीं है,	कि ब्रह्मा-विष्णु-शंकर कौन हैं।
C	ब्रह्मा को बाप ने अपना बनाकर मुख वंशावली बनाया है,	इनमें प्रवेश भी किया फिर कहा कि यह हमारा बच्चा भी है।
D	सिर्फ महिमा गाते हैं कि परमपिता परमात्मा ऊंच ते ऊंच है,	परन्तु यह कोई की बुद्धि में नहीं आता कि वह हम सभी आत्माओं का पिता है।
E	आधाकल्प से लेकर तुम भक्तिमार्ग के शास्त्र पढ़ते आये हो।	अब तो बाप से डायरेक्ट सुनते हो,बाप कोई शास्त्र नहीं सुनाते हैं।

Q.3) **Q ."बच्चे कहते हैं बाबा हमने आपको अपना वारिस बनाया है। बाबा को वारिस बनाना भी गुह्य बात है। अपना सब कुछ एक्सचेंज करना-इसमें बुद्धि का काम है।वारिस बनाकर फिर शरीर निर्वाह भी अपना करना है। सिर्फ ट्रस्टी समझ कर रहना है। बाप तो सिर्फ देखते हैं कि कोई पाप कर्म में तो पैसे खराब नहीं करते हैं, मनुष्य को पुण्य आत्मा बनाने में पैसा लगाते हैं, सर्विस भी कायदे अनुसार करते हैं।"**

A. True
B. False

Q.4) **Q .कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान मुरली के अनुसार ही भरें-----**
"ब्रह्मा भी धन्धे में ईश्वर अर्थ निकालते थे ना। वह तो था इनडायरेक्ट। अभी बाप ----------आये हैं।"

- डायरेक्ट
- DIRECT
- दीरेक्ट
- दिरेक्ट

Q.5) **Q .शब्दों /वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	यह किसको पता नहीं है कि आत्माओं का बाप भी है, कहते हैं हम सब ब्रदर्स हैं,	तो जरूर सब एक बाप के बच्चे ठहरे ना।
B	बाप सर्वव्यापी होता तो फिर फादरहुड हो जाता,	फादर को फादर से वर्सा थोड़े ही मिलेगा। बाप से तो बच्चा ही वर्सा लेता है।
C	तुमको अभी जो समझ मिलती है यह फिर प्राय: लोप हो जाती है,	वहाँ यह थोड़े ही मालूम रहता कि हम फिर गिरेंगे,अन्यथा फिर सुख की भासना ही न आये।
D	जब कृष्ण का राज्य था तो और कोई धर्म नहीं था।	उनका ही सारे विश्व पर राज्य था और जमुना के किनारे था।

E	वह जो भी वेदशास्त्र आदि सुनाते वह है भक्ति मार्ग के।	यहाँ तो खुद भगवान तुमको सुना रहे हैं।

Q.6) **Q . "बाप तुम बच्चों को कर्मों की गति पर समझाते हैं, रावण राज्य में तुम्हारे सब कर्म विकर्म ही हो जाते हैं।सतयुग और त्रेता में रावण ही नहीं इसलिए वहाँ कोई कर्म विकर्म नहीं होता है।यहाँ जो अच्छे कर्म करते हैं उनका अल्पकाल के लिए सुख मिलता है। फिर भी कोई न कोई रोग खिट पिट तो रहती ही है क्योंकि अल्पकाल का सुख है।"**

A. (●) True
B. ( ) False

Q.7) **Q .शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं --**

	Choice	Match
A	बाप कहते हैं मैं वानप्रस्थ में आया हूँ।	ब्रह्मा भी वानप्रस्थी, यह सब मेरे बच्चे भी वानप्रस्थी हैं।
B	बाप टीचर गुरू तीनों ही इकट्ठे हैं।	बाप टीचर भी बनते हैं फिर गुरू बन साथ ले जाते हैं।
C	पुण्य आत्मा बनने के लिए याद में जरूर रहना चाहिए।	माया का धर्म है तुम्हारे योग को तोड़ना।
D	माया के तूफान तो आयेंगे। अगर नही आये तो योग लगा ही रहेगा	तबतो कर्मातीत अवस्था हो जाए और फिर हम यहाँ रह न सकें।
E	शिव की बरात गाई हुई है,शिवबाबा आये तब सब आत्मायें जायें।	शिवबाबा आते ही हैं सबको ले जाने।

Q.8) **धारणा पर आधारित इस प्रश्न में सही वाक्य ही चुने ---**

A. [ ] शिवबाबा को अपना वारिस बनाकर सब कुछ एक्सचेंज नही करना है।
B. [x] वारिस बनाकर शरीर निर्वाह भी करना है ।
C. [x] ट्रस्टी समझकर रहना है।पैसे कोई भी पाप कर्म में नहीं लगाने हैं।
D. [x] अन्दर खुशी होती रहे कि स्वयं ज्ञान का सागर बाबा हमको पढ़ा रहे हैं।
E. [x] पुण्य आत्मा बनने के लिए याद में रहना है, माया के तूफानों से डरना नहीं है।

Q.9) **Q .कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें---**
" कारण को ----------में परिवर्तन कर अशुभ बात को भी शुभ करके उठाओ।"

- निवारण
- निवारन
- निवार्ण
- निवरण

Q.10) **Q .वरदान पर आधारित इस प्रश्न में सही वाक्य ही चुनें --**

A. [x] जो बाप के गुण गाते हो उन सर्व गुणों के अनुभवी बनो ।
B. [x] जैसे बाप आनंद का सागर है तो उसी आनंद के सागर की लहरों में लहराते रहो।
C. [x] जो भी सम्पर्क में आये उसे आनंद, प्रेम, सुख..सब गुणों की अनुभूति कराओ।
D. [ ] ड्रामा अनुसार सन्यासी आत्मायें ही परम आत्मा को अपने द्वारा प्रत्यक्ष करेंगी ।